>

Title : Need to expedite completion of the remaining work on Sone Canal Project in Bihar.

श्री जगदानंद सिंह (बक्सर): बिहार राज्य में कृषि ही अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है। राष्ट्र की सबसे प्राचीन सिंचाई प्रणाली में सोन नहर प्रणाली के कारण ही बिहार में कृषि उपज को स्थायित्व प्राप्त हुआ है। जर्जर नहर प्रणाली का जीर्णोद्धार वर्ष 2005 से बंद है। मुख्य नहर प्रणाली का जीर्णोद्धार तथा नहर की क्षमता वृद्धि के साथ अतिरिक्त हेड-रेगुलेटर का निर्माण किया जा चुका था। हेड रेगुलेटर से लेकर डिहरी फाल तक केवल समानान्तर नहर का कार्य अधूरा रह गया था, जिसे 5 वर्ष से बंद रखा गया है। त्वरित सिंचाई योजना (एनआई) के तहत सोन नहर के आधुनिकीकरण को राष्ट्रीय महत्व की योजना मानकर 700 करोड़ रूपये खर्च किए जा चुके हैं। समानान्तर नहर बनने के बाद 5000 क्यूसेक पानी की अतिरिक्त उपलब्धता सोन नहर प्रणाली को प्राप्त होती, जिससे नहरों की पाराबंदी समाप्त होती तथा 45000 हैक्टेयर जमीन को अतिरिक्त सिंचाई सुविधा प्राप्त होती।

रोहतास, भोजपुर, बक्सर एवं कैमूर जिले जो धान गेहूं की उत्पादकता में पंजाब की बराबरी करते हैं, के किसान इस योजना के बंद होने के कारण तबाही के कगार पर है तथा बिहार की कृषि अर्थव्यवस्था भी खतरे में है। भूख-गरीबी से त्रस्त लोगों के हित में है कि सोन आधुनिकीकरण के कार्य को तत्काल पुनः प्रारंभ कर सिंचाई की अतिरिक्त सुविधा प्रदान की जाये जिससे सिंचित जमीन के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सके।